,e-,- jktuhfr foKku

एम.ए. राजनीति विज्ञान द्विवर्षीय पूर्णकालिन स्नात्कोत्तर पाठ्यक्रम है जिसकी संबंधता पं. रवि”ांकर शुक्ल वि.वि. से प्राप्त हुई है.

इस पाठ्यक्रम के उद्दे”य निम्नानुसार है–

1. भारतीय शासन एवं राज्यों की राजनीति से हमें भारत के व्यवस्थापिका कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के कार्यों का यथेस्ठ ज्ञान विद्यार्थियों को प्राप्त होता है।
2. राजनीति विज्ञान के अध्ययन से हमें राजनैतिक महापुरूषों की जानकारी प्राप्त होती है जिसके विद्यार्थियों के राजनीति में जाने के अवसर बढ़ जाते हैं।
3. राजनीति विज्ञान के अध्ययन में प्र”ासनिक सेवा एवं कार्यों की अच्छी जानकारी विद्यार्थियों को प्राप्त हो जाती है।
4. राजनीति विज्ञान में लोकतंत्र, निर्वाचन आयोग, चुनाव प्रक्रिया की जानकारी से विद्यार्थियों के समझ बढ़ती है।
5. संसद/विधानसभा में शोधात्मक कार्यों को बढ़ाने में विद्यार्थियों को सहयोग करता है।
6. दूसरे दे”ों की राजनैतिक संस्थाओं की जानकारी प्राप्त होती है।
7. प्रतियोगि परीक्षा हेतु राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय संविधान का ज्ञान से विद्यार्थियों के ज्ञान का विकास होता है।

ch-,- dyk

1. कला विषय में भारतीय संविधान का सही जानकारी प्राप्त होना।
2. भारत एवं राज्यों के व्यवस्थापिका, कार्यपालिका न्यायपालिका के कार्यों का ज्ञान प्राप्त होना।
3. समाज"ाास्त्रीय संगठन का अध्ययन, सामाजिक व्यवस्था नौकर"ाही आदि का ज्ञान प्राप्त होना।,
4. हिन्दी/अंग्रेजी व्याकरण का ज्ञान।
5. अंग्रेजी विषय के ज्ञान में व्यक्तित्व का विकास, Speech skill का विकास तथा रोजगार का विकास।
6. हिन्दी साहित्य के साहित्यकार, कवि, लेखक, उपन्यासकार, कहानीकार, एकांकीकार, व्यंगकार के लेखों का ज्ञान प्राप्त होना।
7. स्थानीय, भारत एवं वि"व के भूगोल का ज्ञान प्राप्त होना।
8. राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था तथा मुद्रा का ज्ञान।

PROGRAMME OBJECTIVE

B.Sc. (BIO/MATHEMATICS)

B.Sc, (science-PCM+BCZ) is the traditional under graduate course affiliated to Pt. Ravishankar Shukla university. This is a three year full-time course with following objectives-

I. Impart theoretical as well as practical knowledge of science subjects.
II. Inculcate scientific outlook in students for various aspects of life, society and environment.
III. enable students with scientific thinking, research aptitude and logical abilities.
IV. Providing knowledge about issues of environment, sustainable development and scientific progress.
V. laying foundation of life long learning, inquisitiveness, logical thinking and problem solving. Students, who have successfully completed B.Sc. course may have opportunity in research, teaching. govt. sectors and higher studies.

l ek t ”kkL=

1. विभिन्न सामाजिक विचारको के द्वारा समाज सुधार के लिए किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त करना।
2. समाज”ाास्त्र के अध्ययन में समाज में घटने वाली घटनाओं को जानना।
3. ग्रामीण समाज में पायी जाने वाली कमियों को जानना।
4. सामाजिक परंपरओं (संस्कृति, प्रथा, रूढ़ियां, संस्था, समिति, समुदाय, संरचना) के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
5. विभिन्न सामाजिक वर्गों के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
6. जनजातियों की सामाजिक, सांस्कृतिक को पृष्ठभूमि को जानना।
7. विभिन्न घटनाओं के सम्बन्ध में वैज्ञानिक विधि का प्रयोग करते हुए अनुसंधान करना।

एम.ए. इतिहास

एम.ए. इतिहास द्विवर्षीय पाठ्यक्रम है। यह विषय पं. रवि"ांकर शुक्ल वि.वि. से सम्बन्ध है।

उद्दे"य निम्नलिखित है–

1. ऐतिहासिक जानकारी (स्थल, किताब, पुरातत्व)
2. प्रतियोगी परिक्षाओं में महत्वपूर्ण विषय
3. वि"व इतिहास का ज्ञान
4. छ.ग. के इतिहास का ज्ञान
5. शोध का विषय
6. पुरातत्व की जानकारी
7. राष्ट्रीय आन्दोलन से प्रेरणा प्राप्त होना
8. पा"चात्य एवं आधुनिक इतिहास की जानकारी
9. प्राचीन भारत के इतिहास का ज्ञान
10. राजनीतिक ज्ञान ("ाासकों की प्र"ाासनिक व्यवस्था का ज्ञान)
11. सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक, सांस्कृतिक ज्ञान
12. भारतीय इतिहास का ब्रिटि"ा शासन का ज्ञान
13. विदे"ाी इतिहासकारों द्वारा लिखित भारतीय इतिहास की तात्कालिक परिक्षण
14. ऐतिहासिक महापुरूषों की जीवनियों का अध्ययन व प्रेरणा
15. राजाओं एवं राजवं"ाो का सम्पूर्ण ज्ञान
16. प्राचीन भारतीय ग्रन्थों का ज्ञान
17. पर्यटन एवं आर्थिक विकास में रोजगार के अवसर

एम.ए. हिन्दी

हिन्दी साहित्य के अध्ययन के लाभ है–

1. साहित्य के अध्ययन से हमारी संवेदना मापक हो जाती है हमारे सोच का दायरा व्यापक हो जाता है। हम समाज, राजनीति, अतीत और आस–पास के परिवे"ा को अधिक गहराई से जान पाते हैं।
2. हिंदी के उद्‌भव और विकास के संदर्भ में ज्ञानार्जन।
3. हिंदी साहित्य के विभिन्न मुख्य एवं गौण विधाओं के संबंध में ज्ञान।
4. रोजगार में सहायक।
5. व्यक्तित्व के विकास में सहाये
6. भावनाओं की अभिव्यक्ति में सहायक
7. प्रत्येक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से हमारे ज्ञान की अभिवृद्धि में सहायक होता है।
8. यह शोधात्मक रूप में समाज की विसंगतियों को दूर करने एवं एक स्वरूप समाज के निर्माण की ओर प्रेरित करता है।
9. भाषा के परिमार्जन में वि"ाष रूप से सहायक हैं।
10. हिंदी के स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है एवं रोजगार नए आयाम भी प्रस्तुत करता है।